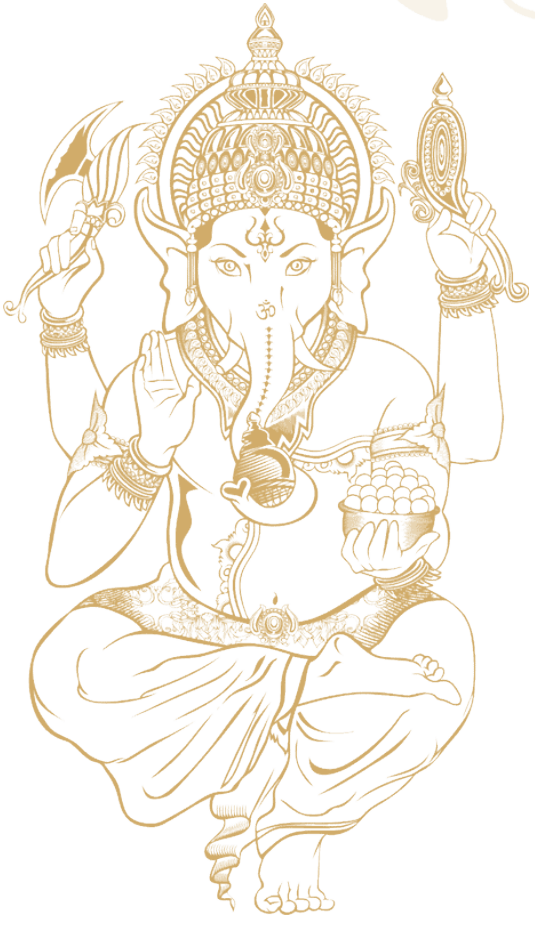

Taranjeet

03 Sep 2006

02:45 AM

Varanasi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121443602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**2-03/09/2006**
दिन	शनि-रविवार
जन्म समय	**02:45:00 घंटे**
इष्ट	52:45:19 घटी
स्थान	**Varanasi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:20:00 उत्तर
रेखांश	83:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:02:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	02:47:00 घंटे
वेलान्तर	00:00:12 घंटे
साम्पातिक काल	01:34:31 घंटे
सूर्योदय	05:38:52 घंटे
सूर्यास्त	18:16:10 घंटे
दिनमान	12:37:18 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:18:31 सिंह
लग्न के अंश	07:18:14 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	प्रीति
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भारत
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	07:18:14	312:04:54	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	---
सूर्य			सिंह	16:18:31	00:58:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			धनु	09:48:19	13:34:03	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कन्या	02:38:31	00:38:32	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	17:55:05	01:54:31	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मित्र राशि
गुरु			तुला	19:43:42	00:08:55	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			सिंह	01:52:54	01:14:02	मघा	1	10	सूर्य	केतु	शुक्र	शत्रु राशि
शनि			कर्क	24:13:58	00:07:20	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	01:29:26	00:01:22	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
केतु	व		कन्या	01:29:26	00:01:22	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	शत्रु राशि
हर्ष	व		कुंभ	18:53:58	00:02:24	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	---
नेप	व		मक	23:52:03	00:01:29	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	---
प्लूटो	व		धनु	00:07:41	00:00:04	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
दशम भाव			मेष	01:32:32	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:57:03

लग्न-चलित

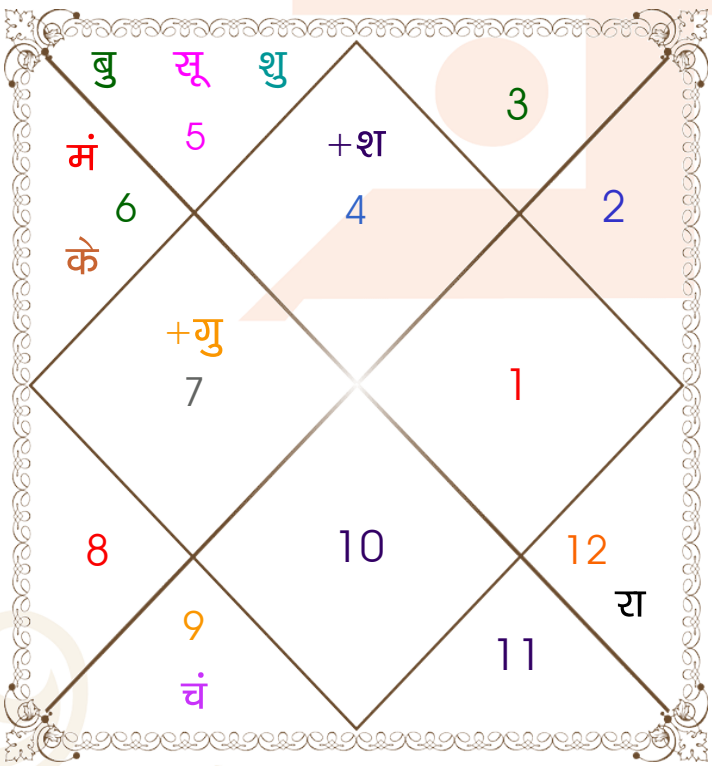

चन्द्र कुंडली

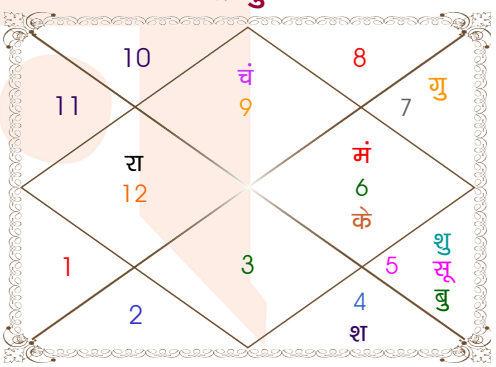

नवमांश कुंडली

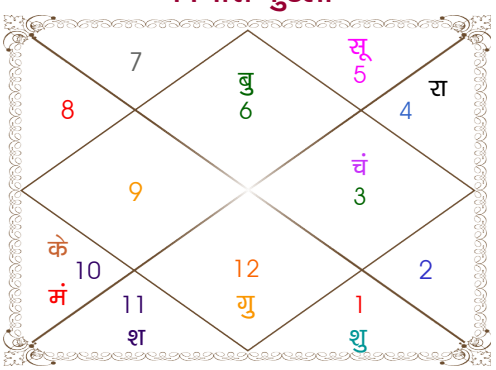

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 1 वर्ष 10 मास 6 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
03/09/2006		10/07/2008		10/07/2028		11/07/2034		10/07/2044	
10/07/2008		10/07/2028		11/07/2034		10/07/2044		11/07/2051	
	00/00/0000	शुक्र	10/11/2011	सूर्य	28/10/2028	चंद्र	11/05/2035	मंगल	06/12/2044
	00/00/0000	सूर्य	09/11/2012	चंद्र	28/04/2029	मंगल	10/12/2035	राहु	25/12/2045
	00/00/0000	चंद्र	11/07/2014	मंगल	03/09/2029	राहु	10/06/2037	गुरु	01/12/2046
	00/00/0000	मंगल	10/09/2015	राहु	29/07/2030	गुरु	10/10/2038	शनि	10/01/2048
	00/00/0000	राहु	10/09/2018	गुरु	17/05/2031	शनि	10/05/2040	बुध	06/01/2049
	00/00/0000	गुरु	11/05/2021	शनि	28/04/2032	बुध	10/10/2041	केतु	04/06/2049
	03/09/2006	शनि	10/07/2024	बुध	05/03/2033	केतु	11/05/2042	शुक्र	04/08/2050
शनि	14/07/2007	बुध	11/05/2027	केतु	10/07/2033	शुक्र	10/01/2044	सूर्य	10/12/2050
बुध	10/07/2008	केतु	10/07/2028	शुक्र	11/07/2034	सूर्य	10/07/2044	चंद्र	11/07/2051

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
11/07/2051		10/07/2069		10/07/2085		11/07/2104		11/07/2121	
10/07/2069		10/07/2085		11/07/2104		11/07/2121		00/00/0000	
राहु	23/03/2054	गुरु	29/08/2071	शनि	13/07/2088	बुध	08/12/2106	केतु	08/12/2121
गुरु	16/08/2056	शनि	11/03/2074	बुध	23/03/2091	केतु	05/12/2107	शुक्र	07/02/2123
शनि	23/06/2059	बुध	16/06/2076	केतु	01/05/2092	शुक्र	05/10/2110	सूर्य	15/06/2123
बुध	09/01/2062	केतु	23/05/2077	शुक्र	02/07/2095	सूर्य	11/08/2111	चंद्र	14/01/2124
केतु	28/01/2063	शुक्र	22/01/2080	सूर्य	13/06/2096	चंद्र	10/01/2113	मंगल	11/06/2124
शुक्र	27/01/2066	सूर्य	09/11/2080	चंद्र	12/01/2098	मंगल	07/01/2114	राहु	29/06/2125
सूर्य	22/12/2066	चंद्र	11/03/2082	मंगल	21/02/2099	राहु	26/07/2116	गुरु	05/06/2126
चंद्र	22/06/2068	मंगल	15/02/2083	राहु	29/12/2101	गुरु	01/11/2118	शनि	04/09/2126
मंगल	10/07/2069	राहु	10/07/2085	गुरु	11/07/2104	शनि	11/07/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 1 वर्ष 9 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।